कोरोना शतक

भाग-2

लेखक
रामानंद पाठक "नंद"
नंद भवन नैगुवाँ

Scanned with OKEN Scanner

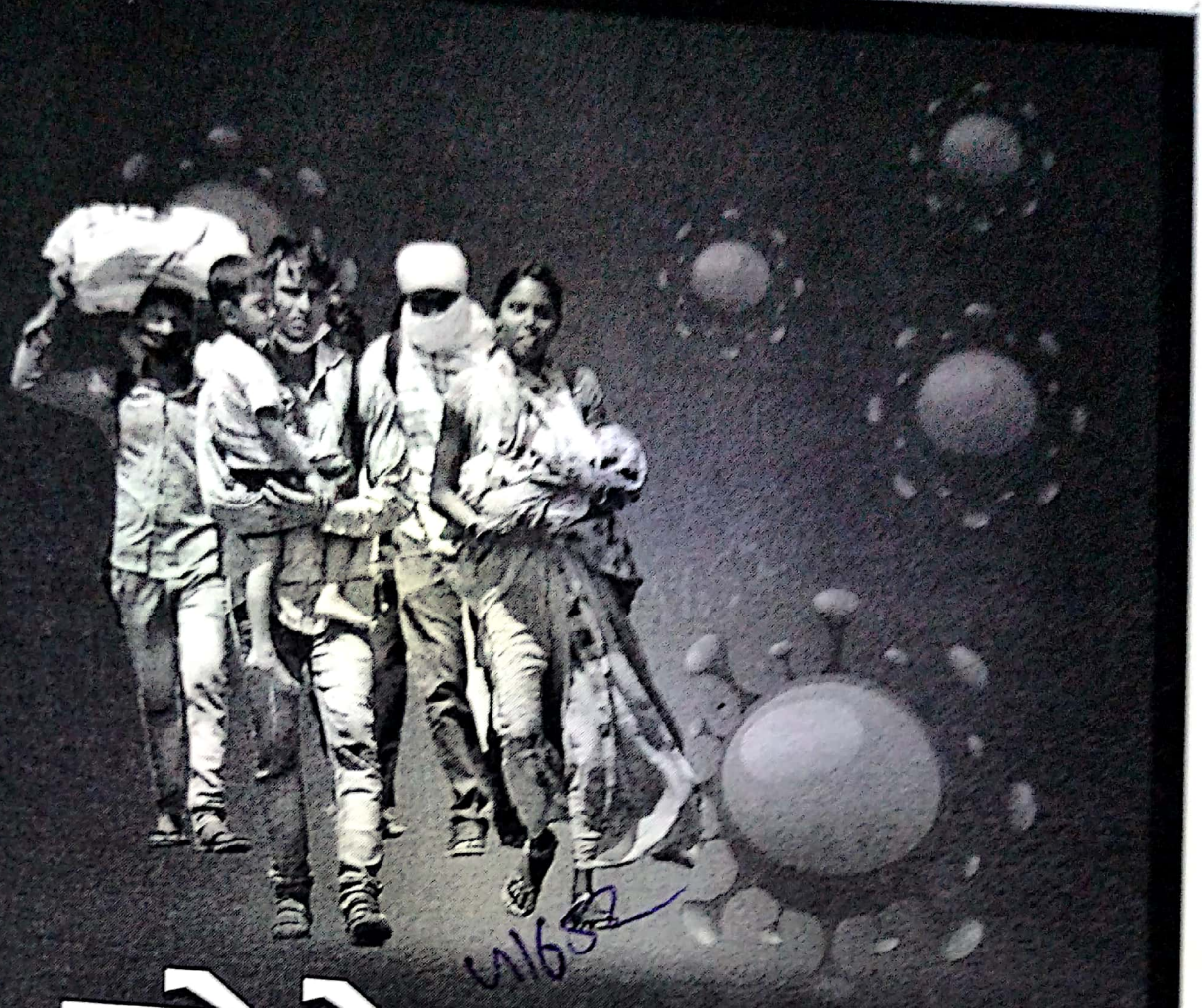

कोरोना शतक

भाग-2

लेखक
रामानंद पालक "नंद"
नंद भवन नैगुवाँ

Scanned with OKEN Scanner

"ॐ इति कोरोनाय"

-: गणेश वंदना -:

हे वर बुद्धि ज्ञान के दाता,
कर लो अपने खाता,
भक्तन के हितकारी भगवन,
कृपा पाऊँ मैं ध्याता,
है विख्यात लेखनी प्रभू की,
वेदन के निर्माता,
कोर दया की मो पै कर दो,
थोरौ मैं (लिख) पाता।

रामानंद पाठक
मो. 9755554351

11682

Scanned with OKEN Scanner

-: सस्वत्यैः नमः :-

--* वंदना --*--

सुरमय वर वानी वंदना की दाता सरन सरस्वति माता,
ग्यान की थाह अथाँ को पावै, तनक दया को पाता,
मैं भी धूर चरन की पाऊँ, जोर पॉव मैं नाता,
वरद हात कर मोरे सिर पै, छन्द काल गति गाता।

-: माई अछरू माता-:

आद भवानी अछरूमाता, खेम खुशी की दाता,
जल भर लोटा सब अरपन करि, जग जप भोग लगाता,
लतरोंदन खों खुशी राखियो, लखों विरज हरयाता,
का कर पै कीरा भगतन कौ, बैठी माई अहाता।

अछरू पंडा बड़े मचुन्ड,
डंडा लय करदुइया के ।
भैंस-चराई जंगल भटके,
बहते बरेदी गइया के।
कुण्ड दिखानें चटयनन पै,
उरसन भयते मइया से।
अछरू नाव जुरौ माता,
हौ गय सरना करइया के।

Scanned with OKEN Scanner

-: बजरंगबली -:

हे वीर वर बुद्धि निधान,
राम के भगत महान,
पाये अमरता के वरदान,
तुरत करत दुख निदान,
राम सहायक रये पंग पग पै,
प्रभु खुद करत वखान,
कलजुग मैं सर्वदेव तुमई,
सब जग देतई जीवन दान

11652

-:राम जी की वंदना:-

आके राम खुद देव सहारो,
संकट आन परो जू
जीवौ कठिन पिरांन संकट में,
जन जन दुख हरो जू
असुर रोग वन दये दोंदरा,
उजरत जग सिगरो जू
तन दऔ तौ अब जीवन दै दौ,
नन्द पै ध्यान धरौ जू

Scanned with OKEN Scanner

मैंने इस कौरोना व्यथा को अपनी आंचलिक भाषा में चौकड़िया छंद व्यक्त करने का आधा, अधूरा प्रयास किया है । जिये पढ़कर आज और भविष्य में इससे कुछ सीख ले सकेंगे।

मैने जो सुना देखा उसी आधार पर अपना उद्‌गार व्यक्त किया है, जिसका कोई कलात्मक पक्ष नही है, सिर्फ घटनाओ का वर्णन है जिन्हे हम महसूस कर रहे हैं। असल में हम से अधिक अनुभव उन्हैं होगा, जिन्होने इसे झेला है और अपना सब कुछ खोया है। जीवंतता का हनन किसी भी तरीके से हो , दिल को चोटिल करता है जैसे व्याध द्वारा क्रोंच पक्षी को मार दिए जाने पर वाल्मिक जी के हृदय से आह के रूप में जो निकला वह धरती का आदि काव्य बना ।

मेरे इस कार्य में मेरे साथी कवि मित्र और परिवारजन विशेष रूप से सहयोगी रहे जिनका में आभारी हो धन्यवाद करता हूँ उन्हें भी धन्यवाद देना चाहूँगा जो इसे पढ़कर भाव, भाषा, विषय संवंधी समीक्षा कर परिमार्जन हेतु सुझाव देंगे ।

धन्यवाद

रामानंद पाठक नंद
नंद भवन नैगुवां (पृथ्वीपुर)
जिला-निवाड़ी(म.प्र.)

41652

Scanned with OKEN Scanner

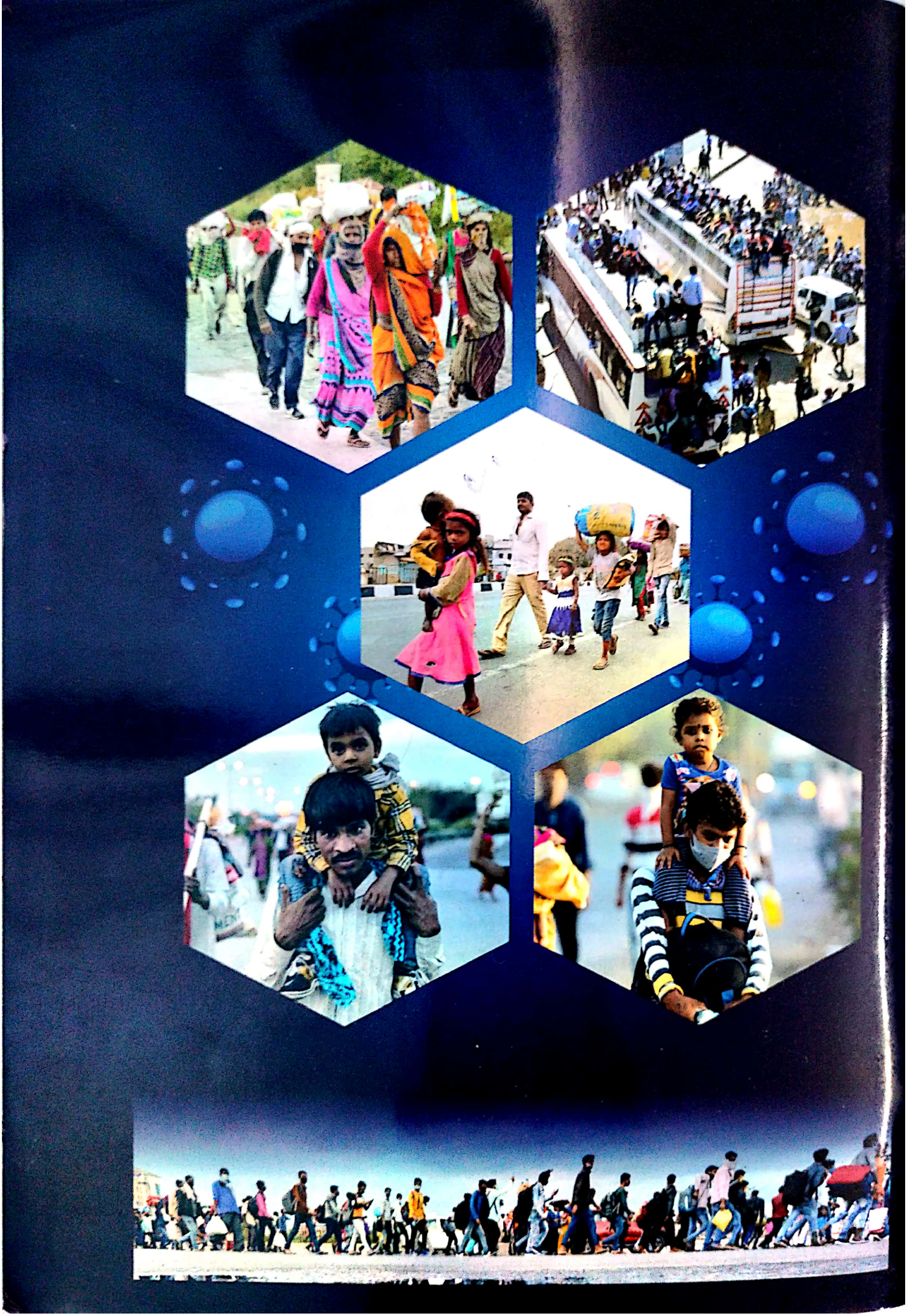

Scanned with OKEN Scanner